आंदोलन | सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चला आंदोलन, महाप्रबंधक के आश्वासन पर स्थगित हुआ धरना, 22 जून को होगी निर्णायक बैठक

विभिन्न मांगों को लेकर किसानों ने ठप की खदान

नवभारत,रामपुर बटुरा। खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों का आक्रोश बुधवार को खुलकर सामने आया। अपनी वर्षों पुरानी और लंबित मांगों के निराकरण के लिए बड़ी संख्या में किसान सुबह 9.0 बजे खदान के मुख्य प्रवेश द्वार पर एकत्रित हुए और खदान का संचालन पूरी तरह बंद करा दिया। आंदोलन में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। किसानों ने आरोप लगाया कि परियोजना प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना से जुड़े मामलों में लगातार देरी की जा रही है। वहीं रोजगार के लिए लंबित फाइलें भी वर्षों से अधिकारियों के पास लंबित पड़ी हुई हैं। किसानों का कहना था कि जब तक उनकी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं होगा, तब तक वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

रोजगार, मुआवजा और भर्ती प्रक्रिया मुख्य मांग

आंदोलन कर रहे किसानों की प्रमुख मांगों में प्रभावित परिवारों को रोजगार प्रदान करना, लंबित रोजगार फाइलों का तत्काल निराकरण, परिसंपत्तियों का मुआवजा भुगतान तथा स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देना शामिल रहा। किसानों ने मांग रखी कि जय अंबे कंपनी में भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और क्षेत्र के स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना था कि खदान परियोजना से प्रभावित होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं, जिससे क्षेत्र में असंतोष बढ़ रहा है। किसानों ने यह भी कहा कि जिन परिवारों की भूमि और परिसंपत्तियां परियोजना में प्रभावित हुई हैं, उन्हें अब तक पूरा मुआवजा नहीं मिला है। ऐसे मामलों का तत्काल निराकरण किया जाना चाहिए।

दिनभर चलता रहा अधिकारियों का आना-जाना

आंदोलन के दौरान दिनभर प्रशासनिक और परियोजना अधिकारियों का खदान परिसर में आना-जाना लगा रहा। अधिकारियों द्वारा किसानों से लगातार चर्चा कर आंदोलन समाप्त करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसान अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद किसान खदान के सामने डटे रहे। महिलाओं और बुजुर्गों की उपस्थिति ने आंदोलन को और अधिक मजबूती प्रदान की। आंदोलन स्थल पर किसानों ने स्पष्ट कहा कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहिए। दिनभर चली बातचीत के बावजूद कोई सहमति नहीं बन सकी, जिसके कारण खदान का संचालन पूरी तरह प्रभावित रहा। उत्पादन एवं परिवहन गतिविधियां भी बंद रहीं।

शाम तक बनी रही खदान बंद रहने की स्थिति

शाम तक हालात ऐसे बने रहे कि खदान के दोबारा शुरू होने की संभावना बेहद कम दिखाई दे रही थी। किसानों के तेवरों को देखते हुए प्रबंधन और प्रशासन भी गंभीर नजर आया। आंदोलन की विशेष बात यह रही कि किसान स्वयं अपने नेतृत्व में आंदोलन को आगे बढ़ाते रहे। कई घंटों तक किसी भी प्रकार के राजनीतिक या सामाजिक हस्तक्षेप के बिना किसान अपनी मांगों पर अडिग रहे। बाद में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों का आंदोलन स्थल पर पहुंचना शुरू हुआ। उन्होंने किसानों और प्रबंधन के बीच संवाद स्थापित कराने का प्रयास किया। इसके बावजूद किसान अपनी मांगों पर डटे रहे और स्पष्ट कर दिया कि जब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

महाप्रबंधक के आश्वासन पर बनी सहमति

शाम के समय खदान प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक ने दूरभाष पर सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए 22 जून को विस्तृत बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि बैठक में किसानों की सभी समस्याओं पर बिंदुवार चर्चा की जाएगी और समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

किसानों ने दी चेतावनी, समाधान नहीं तो फिर होगा बड़ा आंदोलन

आंदोलन स्थगित करते हुए किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 22 जून की बैठक में उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में संतोषजनक पहल नहीं की गई, तो वे पुनः एकजुट होकर संपूर्ण खदान को बंद करने के लिए मजबूर होंगे। किसानों ने कहा कि यदि प्रबंधन और प्रशासन ने अपने वादों को पूरा नहीं किया तो भविष्य में होने वाले किसी भी बड़े आंदोलन और खदान बंदी की पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन एवं प्रशासन की होगी। आंदोलनकारियों का कहना था कि अब वे केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई देखना चाहते हैं।

अफसर नहीं पहुंचे तो कुत्ते को सौंप दिया ज्ञापन

ब्योहारी में कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

नवभारत,शहडोल। नगर परिषद ब्योहारी में कथित भ्रष्टाचार, निर्माण कार्यों में अनियमितताओं और बदहाल जनसुविधाओं के खिलाफ कांग्रेस ने बुधवार को जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति चर्चा का विषय बन गई, जब प्रदर्शनकारियों के मुताबिक ज्ञापन लेने के लिए कोई भी जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप कलेक्टर के नाम संबोधित ज्ञापन प्रतीकात्मक रूप से एक कुत्ते को सौंपकर प्रशासन के खिलाफ अपना आक्रोश जताया।

कांग्रेस नेताओं और नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर की समस्याओं को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों की गैरमौजूदगी को जनता के प्रति प्रशासन की उदासीनता बताते हुए कहा कि जब अधिकारी जनता की बात सुनने तक नहीं आते, तो ऐसे प्रतीकात्मक विरोध जरूरी हो जाते हैं।

धरना स्थल पर वक्ताओं ने नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार और विकास कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए। ज्ञापन में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने, वार्ड 1 और 9 में बनी डामरीकृत सड़कों की गुणवत्ता की जांच, वार्ड 3 में पेयजल पाइप लाइन के ऊपर बनी नाली की जांच तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इसके अलावा मुक्तिधामों में सुविधाएं बढ़ाने, गोदावल रोड में नाली निर्माण, नियमित सफाई व्यवस्था, शुद्ध पेयजल आपूर्ति, जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, नालियों की सफाई, तालाबों में गिर रहे गंदे पानी पर रोक तथा न्यू बरौंधा मुख्य मार्ग की क्षतिग्रस्त पुलिया के पुनर्निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र हितग्राही अब तक लाभ से वंचित हैं। उन्होंने प्रशासन से सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि नगरवासियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र एवं व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। ब्योहारी में कुत्ते को ज्ञापन सौंपने का यह अनोखा विरोध प्रदर्शन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

एक नजर में

किसान आईडी वेरीफिकेशन में लापरवाही, पटवारी और तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे किसान

नवभारत,गोहपारू। क्षेत्र के किसानों को इन दिनों किसान आईडी वेरीफिकेशन में हो रही देरी के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों की आईडी वेरिफिकेशन या रिफाइन प्रक्रिया में अटकी हुई है, जिससे उन्हें समय पर खाद और बीज नहीं मिल पा रहा है। किसानों का आरोप है कि वे पिछले कई दिनों से अपने-अपने हल्का के पटवारी और तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। पटवारी द्वारा रिकॉर्ड अपडेट नहीं किए जाने और तहसील स्तर पर समय पर जांच नहीं होने के कारण किसानों की आईडी लंबित पड़ी है।खरीफसीजन के बीच इस तरह की लापरवाही किसानों के लिए गंभीर संकट बन गई है। किसानों का कहना है कि आधार लिंकिंग, खसरा-खतौनी में त्रुटियां और म-ज़ल्ब् अधूरी होने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए वे बार-बार कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि पटवारी एवं तहसीलदार स्तर पर विशेष शिविर लगाकर किसान आईडी वेरीफिकेशन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराई जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध हो सके और खेती का कार्य प्रभावित न हो।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने ब्यौहारी में बदला नेतृत्व नए ब्लॉक अध्यक्ष ने भरी हुंकार

नवभारत,ब्यौहारी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की रणनीति के तहत ब्यौहारी ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी नए चेहरे को सौंप दी है। पदभार मिलने के बाद नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर संघर्ष का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो भरोसा उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, विस्थापन और पलायन जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और आम जनता की आवाज बनने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। नवनियुक्त अध्यक्ष ने विशेष रूप से जिला अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह पद सम्मान नहीं बल्कि बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने ब्यौहारी क्षेत्र की जनता, युवाओं और महिलाओं के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया।राजनीतिक गलियारों में इस नियुक्ति को आगामी चुनावी तैयारियों और क्षेत्र में संगठन विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं में भी नए नेतृत्व को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि नए ब्लॉक अध्यक्ष अपने दावों को धरातल पर कितना उतार पाते हैं और क्षेत्र के जनहित के मुद्दों पर कितना प्रभावी संघर्ष कर पाते हैं।

सीवर लाईन ठेका कंपनी की मनमानी के आगे बेबस आमजन

आधे घंटे की बारिश से चलने लायक नहीं बची सड़क

छात्र-छात्राओं और रहवासियों का निकलना हुआ मुश्किल

नवभारत, शहडोल। नगर में पिछले चार वर्षों से चल रहे सीवर लाइन परियोजना के कार्य ने आमजन की परेशानी कम करने के बजाय और बढ़ा दी है। बारिश की दस्तक के साथ ही सीवर लाइन ठेका कंपनी की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। पाण्डव नगर स्थित वार्ड क्रमांक 8 में स्टेडियम के पास लगभग एक वर्ष से चल रहे अधूरे कार्य के कारण सड़क की हालत बदतर हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि महज आधे घंटे की बारिश में सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे आवागमन तक मुश्किल हो गया है।

जगह-जगह गड्ढे, फिसलन से रोज हो रहे हादसे

स्टेडियम के बगल से पाण्डव नगर जाने वाली सड़क को सीवर लाइन बिछाने के नाम पर कई बार खोदा गया, लेकिन मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति की गई। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाता है। खुदाई के बाद निकाली गई मिट्टी भी सड़क पर ही छोड़ दी गई है, जिससे बारिश होते ही पूरा मार्ग फिसलन भरा हो जाता है। दुपहिया वाहन चालक और पैदल राहगीर आए दिन फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह मार्ग खतरे का पर्याय बन गया है।

सैकड़ों विद्यार्थियों और अंतिम यात्राओं का प्रमुख मार्ग

यह सड़क नगर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों कॉन्वेंट स्कूल, सरस्वती स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर, पॉलीटेक्निक कॉलेज और विश्वविद्यालय आने-जाने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं की जीवनरेखा है। इसके अलावा शांतिधाम जाने वाला प्रमुख मार्ग होने के कारण अंतिम यात्राएं भी इसी रास्ते से गुजरती हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार एजेंसियां समस्या के स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रही हैं।

पार्षद बोलीं-पहले सीवर कंपनी काम पूरा करे

वार्ड क्रमांक 8 की पार्षद का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जब तक सीवर लाइन का कार्य पूर्ण नहीं होगा, तब तक स्थायी सड़क निर्माण संभव नहीं है।

सीवर कार्य अधूरा, सड़क निर्माण अटका

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले एक वर्ष से वे बदहाल सड़क का दंश झेल रहे हैं। सीवर लाइन का कार्य पूरा नहीं होने के कारण सड़क निर्माण भी शुरू नहीं हो पा रहा है। इससे क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है।चार वर्षों से चल रही परियोजना आखिर कब पूरी होगी। बारिश के मौसम में लोगों की जान जोखिम में डालने वाली इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है। नगरवासियों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क की स्थिति सुधारने और सीवर लाइन कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

आम के पौधे का उपनयन संस्कार एवं भागवत कथा का आयोजन

नवभारत,गोहपारू । विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोहपारू के तत्वावधान में मंगलवार को विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में स्कूल चले हम अभियान, पुस्तक वितरण एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग शहडोल जे.पी. यादव एवं सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बीईओ सोहागपुर, बीआरसी गोहपारू, विकासखंड के समस्त संकुल प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं साइकिलों का वितरण किया गया तथा उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के उद्यान में लगाए गए फलदार आम वृक्ष का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उपनयन संस्कार संपन्न कराया गया। साथ ही भागवत कथा का आयोजन भी किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमुदाय ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक राजेंद्र तिवारी, राजा तिवारी, ओ.पी. द्विवेदी, लेखापाल श्री पांडेय, आर.के. सिंह, महेंद्र पाठक, आर.के. शर्मा, लक्ष्मीकांत द्विवेदी (बीआरसी) तथा महेश प्रसाद द्विवेदी सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ हुआ।

दलवीर पटेल मारपीट मामले में फूटा जनाक्रोश

थाने का घेराव कर निष्पक्ष जांच की मांग

नवभारत,ब्योहारी । बी.पी. पेट्रोल पम्प (गुप्ता फिलिंग स्टेशन) में कथित मारपीट के शिकार हुए दलवीर पटेल को न्याय दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को ब्योहारी थाना परिसर में सर्व समाज, क्षेत्रीय उपभोक्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर मामले में अपेक्षित कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि 3 मई को हुई घटना के संबंध में कई बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें एवं ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इसी के विरोध में बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंचे और जनआक्रोश प्रदर्शन किया।सभा को संबोधित करते हुए आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद साकेत ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और पीड़ित को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग की। वहीं भीम आर्मी के जिला प्रवक्ता सम्राट सनित और भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर साकेत ने कहा कि यदि पीड़ित को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि दोषियों को बचाने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सौंपे गए ज्ञापन में सीसीटीवी फुटेज की जांच, सभी साक्ष्यों का परीक्षण, दोषियों पर वैधानिक कार्रवाई और पीड़ित दलवीर पटेल को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए इस प्रदर्शन के बाद प्रशासन पर मामले में शीघ्र कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है। अब लोगों की निगाहें पुलिस और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

टीईटी से छूट की मांग को लेकर 600 शिक्षकों का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत,शहडोल । मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई शहडोल के नेतृत्व में गुरुवार को जिले भर के शिक्षकों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट देने की मांग को लेकर कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान करीब 6 शिक्षक उपस्थित रहे और सरकार से मानसून सत्र में विधेयक लाकर वर्ष 21 तक नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट प्रदान करने की मांग की। शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से यह मांग लंबित है, जिससे हजारों शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर पूरे प्रदेश में एक साथ ज्ञापन अभियान चलाया गया।

ज्ञापन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के नाम संबोधित किया गया।

शिक्षकों ने मांग की कि मानसून सत्र में आवश्यक विधेयक लाकर टीईटी से छूट का रास्ता साफ किया जाए।शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2010 तक नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत मिलनी चाहिए, क्योंकि वे वर्षों से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।कार्यक्रम में प्रांतीय, संभागीय, जिला, तहसील, ब्लॉक, मंडल एवं नगर स्तर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे शिक्षकों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। शिक्षक संघ ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। शिक्षकों की इस बड़ी भागीदारी ने जिले में टीईटी छूट के मुद्दे को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

ओरिएंट पेपर मिल में प्रशासक अजय न्यूडिंग को दी विदाई

सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों ने आयोजित किया सम्मान समारोह कार्यकाल को किया याद

नवभारत,अमलाई। ओरिएंट पेपर मिल, अमलाई के प्रशासक श्री अजय न्यूडिंग (आरएम/आरएमडी) के सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर उनके साथ बिताए गए कार्यकाल की यादें साझा कीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कर्मचारियों ने कहा कि अजय न्यूडिंग उनके लिए पिता तुल्य रहे। उन्होंने हमेशा कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखा और अपने सरल, सौम्य एवं प्रेरणादायी नेतृत्व से सभी का विश्वास जीता।

कर्मचारियों ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में कार्य करने का अनुभव सदैव प्रेरणादायक रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि न्यूडिंग के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में ओरिएंट पेपर मिल ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। उनकी कार्यकुशलता और दूरदर्शी सोच का ही परिणाम रहा कि मानसून सत्र के दौरान एक करोड़ पौधों के रोपण जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जिससे ओपीएम ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान बनाए रखा। समारोह के अंत में कर्मचारियों ने उन्हें स्मृति-चिह्न एवं शुभकामनाएँ भेंट करते हुए कहा कि वे जहाँ भी रहें, उनका मार्गदर्शन और स्नेह हमेशा मिलता रहे। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल भविष्य की कामना की अविनाश झा सीनियर मैनेजर आरएमडी एवं आर एम डॉ बी. एम.ओझा सीनियर पर्यावरण अधिकारी. मैनेजर प्लांटेशन प्रेम सिंह गणेश शिप्पी मैनेजर. यार्ड इंचार्ज एसपी सिंह. सानिध्य कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मृगेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।

समारोह | नगर पत्रकार परिषद ने आयोजित किया गरिमामय समारोह

महाराणा प्रताप गौरव सम्मान से विभूषित हुई अंचल की विभूतियां

नवभारत,धनपुरी। शौर्य, पराक्रम और राष्ट्र-स्वाभिमान के शिखर पुरुष महाराणा प्रताप की जयंती के पावन अवसर पर नगर पत्रकार परिषद द्वारा एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बुढ़ार रोड स्थित नगर पत्रकार परिषद के मुख्य कार्यालय में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में शहडोल, बुढ़ार, धनपुरी और धिरौल अंचल की उन प्रबुद्ध विभूतियों को 'महाराणा प्रताप गौरव सम्मान' से नवाजा गया, जिन्होंने पत्रकारिता, समाजसेवा, चिकित्सा, शिक्षा और न्याय के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। नगर पत्रकार परिषद के अध्यक्ष शमीम खान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में अंचल के विकास और समाज सेवा में योगदान देने वाले सभी विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रत्येक सम्मानित होने वाली विभूति का मंच पर सबसे पहले माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और उसके पश्चात उन्हें गरिमामय प्रशस्ति पत्र भेंट कर अंचल के प्रति उनकी सेवाओं को रेखांकित किया गया।

चारों क्षेत्रों के दिग्गजों का हुआ समागम

समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें केवल धनपुरी ही नहीं, बल्कि पड़ोसी नगर बुढ़ार, जिला मुख्यालय शहडोल और धिरौल अंचल के गणमान्य नागरिकों को एक मंच पर लाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने इसे सामाजिक समरसता और अंचल के विकास को एक नई दिशा देने वाला आयोजन बताया।

इन्हें मिला महाराणा प्रताप गौरव सम्मान

पत्रकारिता क्षेत्र के निष्पक्ष और वरिष्ठ पत्रकार सनत कुमार शर्मा, राजू अग्रवाल, मुरलीधर त्रिपाठी, संतोष शर्मा, प्रदीप शर्मा, मोहम्मद नदीम खान, अतीकुर रहमान (अतीक बाबा), राहुल सिंह राणा, जुनैद खान, शैलेंद्र तिवारी, शफीक खान एवं राजू अग्रवाल, आरटीआई एक्टिविस्ट असलम बाबा प्रख्यात अधिवक्ता एडवोकेट अनिल द्विवेदी, एडवोकेट प्रदीप सिंह, एडवोकेट प्रभाकर सिंह धिरौल एवं एडवोकेट सुजीत जैन। डॉ. विजय सिंह एवं डॉ. हीरामणि सोनी। प्रख्यात सेवानिवृत्त शिक्षक ऋषिकेश दवे। सामाजिक एवं प्रबुद्ध वर्गसे गणेश प्रताप सिंह 'दादू', एसपी सिंह, दिग्विजय सिंह, विनोद शर्मा, गुदुम सिंह और राजेंद्र मिश्रा (शहडोल)। व्यवसाय एवं समाजसेवा क्षेत्र से बृजवासी अग्रवाल एवं कैलाश महोबिया। विशिष्ट नागरिक एवं सेवाभावी मुबारक मास्टर तथा असलम खान बबलू वक्ताओं ने रेखांकित किए महाराणा प्रताप के आदर्श समारोह के दौरान मंच से प्रबुद्ध वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के जीवन, उनके संघर्ष और जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजय सिंह ने कहा

महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हों, मनुष्य को अपने आत्मसम्मान और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। आज के दौर में भी उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने सदियों पहले थे। चिकित्सा हो या कोई अन्य क्षेत्र, यदि हम उनके राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा के एक अंश को भी अपने जीवन में उतार लें, तो समाज का कल्याण निश्चित है। विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट प्रदीप सिंह ने कानून और न्याय के दृष्टिकोण से बात रखते हुए कहा-महाराणा प्रताप केवल अपनी तलवार के पराक्रम के लिए नहीं, बल्कि अपनी प्रजा के प्रति अगाध न्यायप्रियता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था खड़ी की जहां समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का भी मान सुरक्षित था।